	उठाने में सहायता मिलेगी। साथ ही वे आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों, विपणन रणनीतियों और नेतृत्व कौशल में निपुण होकर अपनी आय और व्यवसायिक दक्षता को बढ़ा सकेंगे। ➢ इस प्रशिक्षण से समितियों की कार्यक्षमता बढेगी, वनोपज का उचित मूल्य प्राप्त करने हेतु मार्केटिंग कर सकेंगे। जिससे सदस्यों की आय में वृद्धि होगी साथ ही, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। ➢ यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सहकारी आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होगा।
Photographs & A V Content फोटो ग्राफ एवं ए.वी सामग्री	संलग्न :– **परिशिष्ट– 1 से 5 तक**
Additional Remarks अतिरिक्त टिप्पणी	

International Year of Cooperatives (IYC) 2025

Format for Monthly Activities Report from States & UT's

Month- January Year-2025

Criteria मापदण्ड	Details विवरण
Sector सेक्टर	• शिक्षा प्रशिक्षण– प्रचार प्रसार • दुग्ध समितियां • मत्स्य समितियां • वनोपज समितियां • प्रस्तावित महिला समितियां
Location स्थान	• राज्य स्तरीय • उज्जैन (जिला स्तरीय) • नौगांव (जिला स्तरीय) • जबलपुर (जिला स्तरीय) • जबलपुर (जिला स्तरीय)
Event/Activity Name गतिविधि का नाम	झांकी (विरासत से विकास) कौशल उन्नयन एवं नेतृत्व विकास प्रशिक्षण
Brief Information on the Activity गतिविधि पर संक्षिप्त जानकारी	• **गणतंत्र दिवस 2025** को सहकारिता विभाग की झांकी प्रदर्शित की गई जिसकी थीम **"विरासत से विकास"** थी। • दुग्ध / मत्स्य / वनोपज / महिला सहकारी समितियों सहकारी समितियों के अध्यक्ष / उपाध्यक्ष एवं संचालकों / सचिव हेतु प्रशिक्षण।
Objective उद्देश्य	इस झांकी का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश में **सहकारिता आंदोलन** की ऐतिहासिक विरासत, विकास यात्रा, उपलब्धियों एवं सहकारिता के माध्यम से समावेशी एवं संवहनीय विकास की दिशा में किये जा रहे प्रयासों का दर्शाना था, जिसे 26 जनवरी गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर झांकी के माध्यम से **"सहकार से समृद्धि"** के संकल्प को दर्शाते हुए प्रदर्शित किया गया :– 1. **सहकारिता की ऐतिहासिक विरासत**– पिपरिया 1905 एवं सिहोरा 1907 के सहकारी संस्थानों से लेकर वर्तमान तक। 2. **प्रदेश की उपलब्धियां** – पैक्स कम्प्यूटरीकरण, सहकारी बैंकिंग सुधार, उर्वरक–खाद्यान्न उपार्जन, जन औषधि केन्द्र, सीएससी सेवाएं। 3. **सहकारिता की जागरूकता** – झांकी द्वारा सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली और उनके लाभों का प्रचार–प्रसार किया गया। • 4. **राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान**– अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 और भारत सरकार के सहकार विजन से समन्वय।

	• दुग्ध समितियों के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/संचालक /सचिवों एवं सदस्यों में नेतृत्व,प्रबंधन और वित्तीय दक्षता विकसित करना, डिजिटल साक्षरता एवं गुणवत्ता सुधार द्वारा समितियों की कार्य क्षमता एवं स्थिरता बढाना। • मत्स्य सहकारी समितियों हेतु आयोजित नेतृत्व विकास प्रशिक्षण में प्रमुख रूप से मत्स्य पालन प्रबंधन, सहकारी समितियों के संचालन, वित्तीय प्रबंधन और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इसमें नेतृत्व कौशल, विपणन रणनीतियों, नवीनतम तकनीकों और मत्स्य पालन से जुड़ी चुनौतियां पर भी चर्चा की गई है। • वनोपज सहकारी समितियों समितियों का कुशल प्रबंधन, वनोपज का उचित मूल्य, संवर्धन व विपणन, वित्तीय संसाधनों का सही उपयोग, और सतत विकास व पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। • इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को सहकारिता के सिद्धांत, नियम, प्रबंधन एवं नेतृत्व विकास में प्रशिक्षित करने हेतु आयोजित किया गया ।
No. of Participants प्रतिभागियों की संख्या	250
Achievements & Outcomes उपलब्धियां एवं परिणाम	➢ इस झांकी के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि मध्यप्रदेश में सहकारिता न केवल किसानों, श्रमिकों की आजीविका को सशक्त बना रही है बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भूमिका निभा रही है। जिसमें कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 88 प्रतिशत सार्वजनिक वितरण प्रणाली पैक्स के माध्यम से संचालित, 45 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता श्रमिकों को पारिश्रमिक, डिजीटलीकरण एवं ई–गवर्नेंस में पैक्स कम्प्यूटरीकरण में प्रथम स्थान, सहकारी डेयरी से 10 लाख लीटर दूध का संकलन, सहकारिता से नवाचार में पेट्रोल पम्प व्यवसाय, एल.पी.जी.वितरण, सीएससी केन्द्र की स्थापना इत्यादि जानकारी से अवगत हुए। ➢ इस प्रशिक्षण से दुग्ध समितियॉ सशक्त, संगठित एवं आर्थिक रूप से मजबूत होगी, तथा दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी और सहकारी आंदोलन को मजबूती मिलेगी। ➢ इस प्रशिक्षण से प्रतिभागियों को मत्स्य सहकारी समितियों का बेहतर प्रबंधन करने, वित्तीय संसाधनों का सही उपयोग करने और सरकारी योजनाओं का लाभ